Cancelled flights ef Air India and Indian Airlines

5957. SHRI VIREN J. SHAH:
SHRI PRAMOD MAHAJAN:

Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) how many times the Air India and Indian Airlines flights had to be cancelled on different grounds during the year 1994 and so far in 1995 (Month-wise);

Cb) what was the reason for cancellation of each flight and how much infruc-tuous and additional expenditure had to be incurred by Air India and Indian Airlines due to cancellation of their flights; and

(c) what remedial/effective steps Government have so far taken or propose to take for the proper functioning of the Airlines?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) and (b) During 1994-95 3157 flights of Indian Airlines and 1003 flights of Air India were cancelled. Monthwise breakup of flights cancelled is being collected and will be laid on the table of the House. Main reasons for cancellations are engineering snags; weather, airport restrictions, commercial/operational problems and strikes by employees. It is not possible to indicate in precise terms the additional expenditure incurred on this account.

(c) Cancellation of flights is resorted to in unavoidable circumstances, mostly for reasons beyond the control of the airline.

मोदी लुफ्त विमान कंपनी के लाभ और घाटे

5958. श्री संघ प्रिय गौतम : क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले एक वर्ष के दौरान मोदी लुफ्त के विमानों द्वारा कितने यात्रियों को लाया ले जाया गया और टिकटों की बिक्री से कितनी धनराशि अर्जित हुई ;

(ख) इस संबंध में मुम्बई, बंगलौर मद्रास, दिल्ली, कलकत्ता और अन्य क्षेत्रों से संबंधित क्षेत्रवार ब्यौरा क्या है ;

(ग) उक्त अवधि के दौरान सरकार को किन-किन क्षेत्रों से सर्वाधिक लाभ अथवा सर्वाधिक घाटा हुआ ; और

(घ) क्या यह सच है कि अन्य निजी विमान कंपनियों की तुलना में मोदी लुफ्त द्वारा यात्रियों को कम सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) और (ख) वर्ष 1994 के दौरान मोदी लुफ्त ने कुल 4,72,680 यात्रियों का वहन किया, जिसकी सैक्टर वार प्रतिशतता नीचे दिए अनुसार है :—

दिल्ली/बम्बई	31.61
दिल्ली/कलकत्ता	22.76
दिल्ली/बंगलौर	10.65
दिल्ली/मद्रास	4.97
अन्य	30.01

एयरलाइन ने टिकटों की बिक्री से 132.41 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया ।

(ग) सरकार की आय अंतर्देशीय हवाई यात्रा कर के रूप में होती है । इसलिए लाभ अथवा हानि का प्रश्न ही नहीं है ।

(घ) एयरलाइनों द्वारा यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की तुलना करना संभव नहीं है, क्योंकि प्रदान की जाने वाली सुविधाओं का स्वरूप प्रत्येक एयरलाइन में भिन्न होता है ।